जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

संस्कृत–विभाग

बी.ए. प्रथम वर्ष 2015

संस्कृत

नोटः– इस परीक्षा में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्न–पत्र

काव्य, कथा–साहित्य एवं छन्द

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 – कुमारसंभवम् (प×चम सर्ग) 1–60 श्लोक पर्यन्त कालिदास

इकाई 2 – रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)1–60 श्लोक पर्यन्त कालिदास

इकाई 3 – कुमारसम्भव (प×चमसर्ग)61–86 तथा रघुवंशम् (पथमसर्ग) 61–95श्लोकपर्यन्त

इकाई 4 – प×चतन्तम् (अपरीक्षितकारकम्)विष्णु शर्मा

इकाई 5 – निम्नलिखित निर्धारित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरणविषयक प्रश्न–
आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजंगप्रयातम्, वसन्ततिलका, मालिनी, हरिणी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा।

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

पव

सहायक पुस्तकें

पंचतन्त्रम् : व्याख्याकार – श्रीश्यामाचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

कुमारसम्भवम् : कालिदास, व्याख्याकार–सूर्यकान्त, साहित्य अकादमी, दिल्ली

रघुवंशम् : कालिदास (संजीवनी टीका सहित) सम्पादक, जी.आर. नन्दार्गीकर मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

छन्द : प्रकाश : पं. शिवदत्त मिश्र

छन्द : प्रवेशिका (प्रभा हिन्दी टीकोपेता), चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

छन्द : कौमुदी : नारायण शास्त्री खिस्ते, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

कालिदास परिशीलन : डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद्, सागर, 1987

संस्कृत सुकवि समीक्षा : उपाध्याय बलदेव

थ्नदबजपवदंस ैदोतपजय प्जे ब्वउउनदपबंजपअम ेचमबजए क्तण छंतमदकतंए ैदोतपज ड्ढंतलंसंलंए ैतप ।नतवइपदकव ीतंउए च्वदकपबीमतल

द्वितीय प्रश्न–पत्र

नाटक, नाट्यशास्त्र एवं व्याकरण

नोटः **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है। प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – स्वप्नवासवदत्तम्

इकाई 2 – नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

इकाई 3 – स्वप्नवासवदत्तम् एवं नाट्यशास्त्र के निर्धारित भाग से सम्बन्धित प्रश्न

इकाई 4 – लघुसिद्धान्त कौमुदी के संज्ञा प्रकरण एवं निम्नलिखित कृत्–प्रत्ययों से सम्बन्धित प्रश्न

तव्यत्, अनीयर्– तव्यत्तव्यानीयरः

यत् – अचो यत्, ईद्यति, पोरदुपधात्

क्यप् – एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप्, Ðस्वस्य पिति कृति तुँक्, शास इदङ्हलोः

ण्यत् – ऋहलोर्ण्यत्

शतृ, शानच् – लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे, आने मुँक्

क्त, क्तवतु – क्तक्तवतूँ निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः

क्त्वा – समानकर्तृकयोः पूर्वकाले

ल्यप् – समासेऽन×् पूर्वे क्त्वो ल्यप्

तुमुन् – तुमुण्ण्वुलौ क्रियायाँ क्रियार्थायाम्

इकाई 5 – (क) निर्धारित कारक प्रकरण से सूत्र की व्याख्या एवं उदाहरणविषयक प्रश्न –

कारक प्रकरण के सूत्र –

प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथित×्च, अधिशीङ्स्थासां कर्म, अभिनिविशश्च, उपान्वध्याङ्वसः, अन्तरान्तरेण युक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, उभसर्वतसोः कार्या धिगुपर्यादिषु त्रिषु। द्वितीयाम्रेडितान्तेषु ततोऽन्यत्रापि दृश्यते।। अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, स्वतन्त्रः कर्ता,

साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपवर्गे तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, येनाङ्गविकारः, इत्थम्भूतलक्षणे, हेतौ, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, धारेरुत्तमर्णः, स्पृहेरीप्सितः, क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः, नमः स्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पंचमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम्, जनिकर्तुःप्रकृतिः, भुवः प्रभवः, ल्यब्लोपे कर्मण्यधिकरणे च, षष्ठी शेषे, पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम्, षष्ठी हेतुप्रयोगे, अधीगर्थदयेशां कर्मणि, कृत्यानां कर्तरि वा, तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयान्यतरस्याम्, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठी चानादरे, यतश्च निर्धारणम्, पंचमी विभक्ते

(ख) शब्दरूप – राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, नदी, मति, वधू, अस्मद्, युष्मद्, तद्, इदम्, एक, द्वि, त्रि

उक्त निर्धारित शब्दों की विभक्ति में रूप सम्बन्धी प्रश्न

(ग) धातुरूप – भू, वद्, अस्, मुच्, कृ, कथ्, नम्, गम्, युध्, नश्

उक्त निर्धारित धातुओं के लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् में रूप सम्बन्धी प्रश्न

प्रश्न पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

स्वप्नवासवदत्तम् : जयपाल विद्यालंकार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1972

नाट्यशास्त्र : (प्रदीप हिन्दी टीकोपेत), चौखम्बा पब्लिकेशन्स, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली

लघु सिद्धान्त कौमुदीः शारदारंजन रे, 1954

नवनीत संस्कृत शब्द धातु–रूपावली : राजाराम शास्त्री नाटेकर, नवनीत प्रकाशन मुम्बई, 1990

रूप चन्द्रिका : रामचन्द्र झा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज

वृहद् अनुवाद चन्द्रिका : चक्रधर हंस नौटियाल

बी.ए. द्वितीय वर्ष 2015

संस्कृत

नोटः इस परीक्षा में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्न–पत्र

काव्य, स्मृतिशास्त्र तथा संस्कृत–साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 : किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) भारवि

इकाई 2 : मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय 1 से 150 श्लोक) मनु

इकाई 3 : नीतिशतकम् : भर्तहरि

इकाई 4 : वाल्मीकि रामायण का बालकाण्ड (प्रथम सर्ग) तथा महाभारत का शान्तिपर्व (अध्याय 192) (गीताप्रेस गोरखपुर)

इकाई 5 : संस्कृत साहित्य का इतिहास – **महाकाव्य** : कालिदास, अश्वघोष, माघ, श्रीहर्ष

गद्यसाहित्य : बाण, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास

नाटक साहित्य : भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त

गीतिकाव्य : मेघदूत, गीतगोविन्द, नीति शतक शतक

कथासाहित्य : पंचतन्त्र, हितोपदेश, कथासरित्सागर।

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – **20 अंक**

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – **35 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं। 3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

।तलं त्ंउंलंद ;ठंसांदकद्ध रू ळवअकइवसम ड्रमेंअ टपदंलांए च्नदमए 1962

झंसमए डण्त्ण्रू झपतंजंतरनदपंलंउए डवजपसंस ठंदंतेंपकेंए छमू क्मसीपए 1977

जनार्दन : किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग, व्याख्या–मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली

शर्मा, प्रो. मदनमोहन एवं तनेजा, डॉ. सुभाषः किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग, अलंकार प्रकाशन, जयपुर

वी. राघवन् : जीम डंदनेउतपजप

मनुस्मृति : मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

मनुस्मृति : (मणिप्रभा हिन्दी टीकोपेता) – चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली

गाडगिल, ए.एल, : वाल्मीकि रामायण, भाग प्रथम, सम्पादन, श्री रामकोश मण्डल, पुणे, 1982

संस्कृतसाहित्येतिहास : हंसराज अग्रवाल, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

संस्कृतसाहित्येतिहास : विश्वनाथ शास्त्री भारद्वाज, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली

उपाध्याय, डॉ. बलदेव : संस्कृत साहित्य का इतिहास

पाण्डेय, चन्द्रशेखर : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा

व्यास, भोलाशंकर : संस्कृत कविदर्शन

गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा : संस्कृत साहित्य का इतिहास

संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास : प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

गद्य, व्याकरण, अलंकार तथा भारतीय संस्कृति

नोट – प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 : शुकनासोपदेश (कादम्बरी)

इकाई 2 : शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास)

इकाई 3 : अच् सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई 4 : हल् सन्धि और विसर्ग सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

इकाई 5 : (अ) अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा।

(ब) भारतीय संस्कृति – विशेषता, संस्कार, वर्णव्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय तथा पुराकालीन भारतीय शिक्षापद्धति।

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं। 3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली, 1974
शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या, रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियण्टालिया, वाराणसी, 1978
शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : श्रीमती सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
शिवराजविजय (अम्बिकादत्त व्यास) : व्यास पुस्तकालय मानमन्दिर, काशी
लघुसिद्धान्तकौमुदी : महेशसिंह कुशवाह
संस्कृत व्याकरण : श्रीनिवास शास्त्री
काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) : कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
भारतस्य सांस्कृतिको निधिः रामजी उपाध्याय
भारतीय संस्कृति : श्री कृष्ण ओझा
भारतीय संस्कृति : शिवदत्त ज्ञानी
भारतीय संस्कृति : प्रीति प्रभा गोयल
भारतीय संस्कृति–सौरभम् :रामजी उपाध्याय, भारतीय संस्कृति संस्थान, महामनापुरी, वाराणसी–5
ैंदोतपज ळतंउउंत रू ॅपजी ंद म्दहसपी टमतेपवदए डस्ठक्ए क्मसीपए 1981
ैंदोतपज ळतंउउंत रू (मर्म प्रकाशिका) म्दहसपी ज्तंदेसंजपवदए डण्त्ण् झंसमए डस्ठक्ए क्मसीपए 1976

बी.ए. तृतीय वर्ष 2015

संस्कृत

नोटः इस परीक्षा में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्न–पत्र

नाटक तथा व्याकरण

पाठ्यक्रमः–

इकाई 1 : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक)

इकाई 2 : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5 से 7 अंक)

इकाई 3 : निर्धारित कृत् प्रत्यय शब्द रूप तथा धातुरूप

(क) कृत्प्रत्यय –

ण्वुल्, तृच्–ण्वुल्तृचौ

अण्–कर्मण्यण्

अच्, ल्यु, णिनि–नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः, सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये, एरच्

घञ्–भावे

अप्–ऋदोरप्

खल्–ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु खल्

णमुल्–आभीक्ष्ण्ये णमुल् च, नित्यवीप्सयोः

उपर्युक्त सूत्रों के आधार पर दो शब्दों (विकल्प सहित) की सूत्रोल्लेखपूर्वक व्युत्पत्ति का एक प्रश्न

(ख) शब्दरूप – निम्नाङ्कित शब्दों में से दो शब्दों (विकल्प सहित) का निर्दिष्ट विभक्ति में रूप सम्बन्धी एक प्रश्न

राम, हरि, पितृ, रमा, गुरु मति नदी, चन्द्रमस, पयस्, वधू, राजन्, भवत्, आत्मन्, अस्मद्, युष्मद्

(ग) धातुरूप– निम्नाङ्कित धातुओं में से लट्, लोट्, लृट्, लङ्. एवं विधिलिङ्. लकारों में दो धातु रूपों (विकल्प सहित) का निर्दिष्ट लकार एवं पुरुष सम्बन्धी प्रश्न धातु रूप – हस्, पठ्, दृश्, स्था, वृत्, भ्रम्, तुद्, इण्, सिच्, चर्, गण्, चिन्त्, अस्, हन्, दा, कृ, ज्ञा, तन्, ब्रू, हा, जन्

इकाई 4 : निर्धारित तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय –

ष्यञ्–वर्णदृढादिभ्यः ष्यञ् च, गुणवचनब्राह्मणादिभ्यःकर्मणि च

त्व, तल्–तस्य भावस्त्वतलौ, ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्

इतच्–तदस्य स×जातं तारकादिभ्य इतच्

इनि–अत इनिठनौ, व्रीह्यादिभ्यश्च

विनि–अस्मायामेधास्रजो विनिः

ठक्–रेवत्यादिभ्यष्ठक्, ठस्येकः, किति च

मतुप्–तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप्, वसोः सम्प्रसारणम्

इमनिच्–पृथ्वादिभ्य इमनिज्वा, र ऋतो हलादेर्लघोः

अण्– अश्वपत्यादिभ्यश्च, तस्यापत्यम्, ओर्गुणः, शिवादिभ्योऽण्

छ–वृद्धिर्यस्याचामादिस्तद्वृद्धम्, त्यदादीनि च, वृद्धाच्छः, गहादिभ्यश्च,

जिह्वामूलाङ्गुलेश्छः

तरप्, ईयसुन्–द्विवचनविभज्योपपदे तरबीयसुनौ

इष्ठन्, तमप्–अतिशायने तमबिष्ठनौ

च्वि–अभूततद्भाव इति वक्तव्यम्, कृभ्वस्तियोगे सम्पद्यकर्तरि च्विः, अस्य च्वौ

वति–तेन तुल्यं क्रिया चेद्वतिः

मयट्–नित्यं वृद्धशरादिभ्यः, तत्प्रकृतवचने मयट्

कल्पप्, देश्य, देशीयर्–ईषदसमाप्तौ कल्पब्देश्यदेशीयरः

ढक्–स्त्रीभ्यो ढक्, नद्यादिभ्यो ढक्

साति–विभाषा साति कात्स्न्र्ये

डतरच्–किंयत्तदोः निर्धारणे द्वयोरेकस्य डतरच्

डतमच्–वा बहूनां जातिपरिप्रश्ने डतमच्

इकाई 5 : निर्धारित समास

समास

अव्ययीभाव–अव्ययं विभक्ति समीपसमृद्धिर्व्यृध्द्यर्थाभावात्ययासम्प्रति–

शब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथानुपूर्व्ययौगपद्यसादृश्यसम्पत्तिसाकल्यान्तवचनेषु

तत्पुरुष–द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः, कर्तृकरणे कृता बहुलम्,

चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः, प×चमी भयेन,

स्तोकान्तिकदूरार्थकृच्छ्राणि क्तेन, प×चम्याः स्तोकादिभ्यः, षष्ठी, सप्तमी शौण्डैः

द्विगु–संख्यापूर्वो द्विगुः, तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च, द्विगुरेकवचनम्, स नपुंसकम्

कर्मधारय–विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, उपमानानि सामान्यवचनैः

नञ्–नञ्, नलोपो नञः, तस्मान्नुडचि

उपपद–उपपदमतिङ्

बहुव्रीहि–अनेकमन्यपदार्थे, सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ, हलदन्तात्सप्तम्याः
स×ज्ञायाम्, नञोऽस्त्यर्थानां वाच्यो वा चोत्तरपदलोपः
द्वन्द्व–चार्थे द्वन्द्वः, द्वन्द्वे घि, अजाद्यदन्तम्, अल्पाच्तरम्, द्वन्द्वश्च
प्राणितूर्यसेनाङ्गानाम्

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तके –

अभिज्ञानशाकुन्तलम् : व्याख्याकार–राधावल्लभ त्रिपाठी, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
अभिाज्ञानशाकुन्तलम् : डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
ाीपरदंदे ैानदजंसंउरू ब्ण्त्ण् क्मअंदकींतंए डस्ठक क्मसीपए 1991
ाीपरदंदे ैांदजंसंउरू मकण ाण्ठण् ळंरमदकतं ळंकांत ठवउइंलए 1934
अभिज्ञानशाकुन्तलम् : वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा (उ.प्र.)
संस्कृत व्याकरण : श्री निवास शास्त्री
संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका : बाबूराम सक्सेना, रामनारायणलाल बेनी माधव, इलाहाबाद
संस्कृत व्याकरण कौमुदी (तृतीय भाग): पं. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

भ्पहीमत ैदेातपज ळतंउउंत (हिन्दी संस्करण) रू डण्त्ण् झंसम
प्रौढ़रचनानुवाद कौमुदी : कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न–पत्र
वेद, उपनिषद्, भारतीय दर्शन, व्याकरण एवं निबन्ध

नोटः प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा।

इकाई 1 : वेद

(क) ऋग्वेद : अग्नि 1.1, विष्णु 1.154, हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् सूक्त 10.125, संज्ञान सूक्त 10.191, इन्द्र 2.12

इकाई 2 : कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

इकाई 3 : व्याकरण

(क) लघुसिद्धान्तकौमुदी के निर्धारित (लट्, लोट्, लृट्, लङ्., एवं विधिलिङ्.) लकारों में भू धातु के छः में से तीन रूपों की सिद्धि

(ख) एध् धातु के चार में से दो रूपों की सिद्धि। निर्धारित लकार –लट् लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्

इकाई 4 : भारतीय दर्शन के सिद्धान्त

अ. भारतीय दर्शनों का वैशिष्ट्य एवं सामान्य परिचय
ब. आत्मा
स. मोक्ष
द. कार्यकारणभावसिद्धान्त
य. ईश्वर
र. कर्मसिद्धान्त तथा पुनर्जन्म
ल. निष्काम कर्म
व. प्रतीत्यसमुत्पाद
श. अहिंसा
ष. अनेकान्तवाद
स. चार आर्यसत्य

इकाई 5 : निबन्ध

पच्चीस पङ्क्तियों में संस्कृत में एक निबन्ध

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

छमू टमकपब ैमसमबजपवद चंतज प् – प्प रू ज्मसंदहं – बैंनइमए ठींतजपलं टपकलं च्तोंदए क्मसीप
वेदचयनम्ः व्याख्याकार, विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
कठोपनिषद्ः गीता प्रेस, गोरखपुर
कठोपनिषद् : व्याख्याकार, सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
लघुसिद्धान्त कौमुदी : अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर।
भारतीय दर्शन का इतिहास : बलदेव उपाध्याय
भारतीय दर्शन : चन्द्रधर शर्मा
भारतीय दर्शन : नन्दकिशोर देवराज, हिन्दी समिति लखनऊ
भारतीय दर्शन का परिचय : चटर्जी एवं दत्त
संस्कृत निबन्ध कलिका : रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली